Rashtriya Shoshit Parishad (Regd.) No.: S/13390

(Recognised by the Govt. of India & exempted U/S 80G of the Income Tax Act, 1961)

राष्ट्रीय शोषित परिषद् (रजि०)

(A Council for the Welfare of SC/ST)

President :
JAI BHAGWAN JATAV
Tel. : 26192066
Mob. : 9810634677, W : 9810634655

B-2 Extn./2,
St. No. 7, Krishna Nagar,
Safdarjung Enclave,
New Delhi-110029

Ref. .....**No: RSP/2018/H&UD/ 5925.**

Dated .....**22nd Oct, 2018**

प्राप्तकर्ता/RECEIVER
आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय
Ministry of Housing and Urban Affairs
केन्द्रीय सचिवालय
C. R. Section
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011
Nirman Bhawan, New Delhi-110011

सेवा में,

श्री हरदीप सिंह पूरी जी,
आदरणीय आवास एवं शहरी मामलों
के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
निर्माण भवन,
नई दिल्ली – 110011

विषयः ***राष्ट्रीय शोषित परिषद् (रजि.) के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्गो के पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्ड़ल को मिलने का समय देने के लिए आग्रह पत्र***

माननीय पूरी साहेब,

दिल्ली में अनुसूचित जाति/जनजाति की आवासीय एवं व्यवसायिक स्थलों के आवंटन में डीडीए द्वारा बड़ी धांधली की जाती रही है। आप मंत्री के रूप में विराजमान हैं। हमने आपको मिलने के लिए कई पत्र दिये हैं परन्तु आप अनुसूचित जाति/जनजाति की समस्याओं को लेकर गम्भीर ही नहीं हैं, बल्कि **आपके अन्दर इन वर्गो के प्रति घृणा एवं भेद-भाव भरा पड़ा है।** दलित समाज का शोषण लगभग पाँच हजार साल से होता आ रहा है। देश के 72 साल की आज़ादी के बाद भी जो भी सरकार आई हो, कभी भी और किसी भी सरकार ने दलित समाज के साथ न्याय नहीं किया। दलित वर्गो की समस्याएं आप सुलझायें या ना सुलझायें ये आपके उपर निर्भर करता है, परन्तु पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्ड़ल को मिलने का समय न देना, दलितों के प्रति आपकी मांसिकता को दर्शाता है। हम आपसे न देश मांगने वाले हैं और न ही मंत्री पद। हमारे साथ जो दुर्व्यवहार डीडीए द्वारा किया जा रहा है हम उस सम्बन्ध में अपनी पीड़ा आपके सामने रखना चाहते थे। परन्तु ऐसा लगता है जैसा कि आपने हमें नकसली या आतंकवादी या देशद्रोही समझ लिया हो। आप आवास एवं शहरी मंत्रालय के आदरणीय मंत्री हैं और एस.सी./एस.टी. की आबादी देश की आबादी का 25 प्रतिशत हैं। दिल्ली में हमारी संख्या लगभग आधी है। इतनी बड़ी आबादी की आवासीय एवं अन्य समस्याओं को हल करना आपकी प्राथमिकता में होना चाहिये था। हम आपसे भीख नहीं मांग रहे हैं। हमारा जो कानूनी अधिकार तय है उसी में रह कर हमें आपसे बात करनी है। आप आसमान से उतरे और देश के सबसे नीचे पायदान पर खड़े दलित वर्गो की सुध लें। भारत सरकार के जिम्मेवार मंत्री की हैसियत से मिलने का समय देंगेतो हम आपके आभारी रहेंगे। आपने हमारे अनेकों आग्रह पत्रों को ठुकराया है इसका हमें दुख है। हमें उम्मीद है कि जो व्यवहार हमारे दलित वर्ग के साथ हो रहा है वह असहनीय है। कृपया दलित वर्ग के पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्ड़ल को मिलने का समय अवश्य देंगे। जिससे कि हम अपनी पीड़ा को आपके सामने रख सकें। आप हमारी पीड़ा को दूर करें या न करें, यह आपके अधिकार क्षेत्र में है। पूर्व में मांगे गये समय की फोटो कॉपी संलग्न है।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,
Bhagwan
(जय भगवान जाटव)
अध्यक्ष